

डॉ. ए. के. दुरेजा  
Dr. A. K. Dureja



उत्कृष्ट वैज्ञानिक  
सह निदेशक, ज्ञान प्रबंधन वर्ग (के.एम.जी)  
अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास प्रभाग  
Outstanding Scientist  
Associate Director, Knowledge Management  
Group (K.M.G.)  
Head, Human Resource Development Division

## अध्यक्ष की कलम से...

"परमाणु विज्ञान" का प्रथम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह अंक हमारी पत्रिका के विशेष वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है जिसमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी के अद्यतन एवं नवीन जानकारियों को प्रस्तुत किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान नव-कीर्तिमान स्थापित करते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पाठकों को, विज्ञान की विविध शाखाओं का महत्वपूर्ण ज्ञान उनकी अपनी भाषा हिंदी में उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस अंक में प्रस्तुत लेख विज्ञान के विभिन्न विषय जैसे स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य, संरक्षा एवं पर्यावरण, निदेशित अनुप्रयोगों के साथ अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान, रसायन एवं जैव-विज्ञान, नाभिकीय पदार्थ सुरक्षा, जल प्रबंधन एवं जल सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, फसल सुधार एवं अन्य विकिरण प्रौद्योगिकियां, नाभिकीय ऊर्जा के सामान्य विषय, मेगा साइंस इत्यादि पर आधारित हैं। हमें विश्वास है कि यह अंक पाठकों की वैज्ञानिक सोच एवं कौशल को समृद्ध करेगा।

लेखकों/संपादक-दल का प्रयास है कि पत्रिका में सम्मिलित लेख केवल संकलन मात्र न होकर पाठकों को वैज्ञानिक अनुसंधान से जोड़ने और जिज्ञासा बढ़ाने में सफल हो सके। हमारा लक्ष्य गहनता एवं सरलता के बीच की दूरी को पाटते हुए एक साम्यावस्था स्थापित करने की है जिसमें पाठकों और विषय विशेषज्ञों के बीच समरूपता और समकक्षता लाई जा सके।

नाभिकीय अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकीय विकास की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की कहानियों को प्रस्तुत करके, हम विज्ञान को अधिक प्रासंगिक एवं अभिगम्य बनाना चाहते हैं। मैं, उन सभी महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिनके प्रयासों ने इस अंक को प्रेरणा के स्रोत के रूप में आकार दिया है। इस अंक के संपादन में संपादकीय/प्रकाशन समिति के विद्वान सदस्यों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। विषय विशेषज्ञों और भाषाविदों के सहयोग के लिए मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। भविष्य में भी लेखकों से इस पत्रिका की निरंतरता बनाए रखने हेतु इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस अंक में प्रस्तुत विषयवस्तु से पाठकगण अवश्य लाभान्वित होंगे।

आदर्श दुरेजा

(डॉ.ए.के. दुरेजा)

